Series : RKM/1

Code No. **कोड नं.** **3/1/1**

Roll No.
रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **19** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

HINDI
हिन्दी
(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 Hours | *Maximum Marks: 100*

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं — क, ख, ग और घ।

(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो शब्दों या एक-दो वाक्यों में दीजिए :

(क) हिन्दी और तमिल किन भाषा-परिवारों की भाषाएँ हैं? 1

(ख) किन्हीं दो राज्यों के नाम बताइए जिनकी राजभाषा हिन्दी है। 1

(ग) पहाड़ी हिन्दी की दो बोलियों के नाम लिखिए। 1

(घ) सम्पर्क-भाषा से क्या अभिप्राय है ? 1

2. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) शब्द किसे कहते हैं ? 1

(ख) तुम्हारे और मेरे घर के _________ अधिक दूरी नहीं है।
(उपयुक्त अव्यय पद से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) 1

(ग) वह घर किसका है ? (विशेषण छाँटकर उसका भेद लिखिए) 1

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) रामदयाल ने कहा कि मैं विपत्ति में सदा आपके साथ रहूँगा। (आश्रित उपवाक्य का भेद लिखिए) 1

(ख) यह एक अच्दा छात्र है। (निषेधवाचक वाक्य में बदलकर लिखिए) 1

(ग) साइकिल का टायर फट गया था। और कोई साधन नहीं था। वह कार्यालय देर से पहुँचा। (सरल वाक्य में वाक्य संश्लेषण कीजिए) 1

(घ) भगवान तुम्हें सद्बुद्धि दे। (अर्थ के अनुसार वाक्य-भेद बताइए) 1

4. (क) अनुप्रास **अथवा** उत्प्रेक्षा का कोई एक उदाहरण दीजिए। 1

(ख) रेखांकित अंशों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए :

(i) तू <u>मोहन के उर बसी ह्वै उरबसी समान</u> 1

(ii) जसुमति-उदर-अगाध-उदधितें उपजी ऐसी सबनि कही री 1

(iii) सुवासित भीगी <u>हवाएँ सदा पावन माँ सरीखी</u> 1

खण्ड - ख

5. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर लगभग 125 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 8

(क) <u>आओ, हम अपना नगर/गाँव सँवारें</u>

- नगर/गाँव के प्रति लगाव क्यों
- निवासियों में जागरूकता
- शिक्षा और चिकित्सा सुविधाएँ
- परिवहन : समस्या और समाधान
- पारस्परिक प्रेम कैसे बढ़ाएँ

(ख) <u>समुद्रतट का सौंदर्य</u>

- तट की रमणीयता
- प्राकृतिक वातावरण
- पर्यटकों की भीड़
- समुद्र-स्नान का आनंद
- विविध गतिविधियाँ

6. डेंगू और मलेरिया के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए चिकित्सालयों में अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं की ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु राज्य के स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखिए। 7

अथवा

अपनी विशेष रुचियों का परिचय देते हुए अपने विदेशी पत्र-मित्र को पत्र लिखिए।

खण्ड ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

''मनुष्य अपने विचारों के अनुरूप ही होता है।'' यह कहावत न केवल मनुष्य पर लागू होती है, वरन इतनी व्यापक है कि मानव-जीवन की हर एक अवस्था और परिस्थिति तक इसकी पहुँच है। मानव का चरित्र उसके समस्त विचारों का जोड़ है। जैसे पौधा बीज से फूटता है और उसके बिना अस्तित्व धारण नहीं कर सकता, उसी तरह मनुष्य का हर एक कर्म विचार के गुहा बीजों से उत्पन्न होता है और उनके बिना प्रकट नहीं हो सकता। यह सिद्धांत आवेश-जन्य और विचार-जन्य दोनों प्रकार के कार्यों पर समान रूप से लागू होता है। कार्य विचार का फूल है तथा आनन्द और दुख फल हैं। इस तरह मानव अपनी खेती के मीठे और कड़वे फलों का संग्रह करता है। विचार के उचित चुनाव और ठीक प्रयोग द्वारा मानव 'दिव्य पूर्णत्व' प्राप्त करता है और दुरुपयोग से पशुता के धरातल पर गिरता है। इन्हीं दो सीमाओं के बीच चरित्र की वे सभी श्रेणियाँ पाई जाती हैं, जिनका निर्माता और स्वामी मानव स्वयं है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ii) ''मनुष्य अपने विचारों के अनुरूप होता है।'' लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ? 1

(iii) 'कार्य विचार का फूल है तथा आनंद और दुख फल हैं' — कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 1

(iv) विचार का चुनाव क्यों महत्त्वपूर्ण है ? 1

(v) कर्म और विचार का परस्पर क्या संबंध है ? 1

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

ले चल नाविक मँझधार मुझे, दे दे बस अब पतवार मुझे,
इन लहरों के टकराने पर आता रह-रहकर प्यार मुझे।

मत रोक मुझे, भयभीत न कर, मैं सदा कँटीली राह चला
मेरे पथ के पतझारों में ही नव-नूतन मधुमास पला,
मैं हूँ अबाध, अविराम, अथक, बंधन मुझको स्वीकार नहीं —
मैं नहीं, अरे, ऐसा राही जो बेबस-सा मन मार चला।

दोनों ही ओर निमंत्रण है — इस पार मुझे, उस पार मुझे।
रंगीन विजय-सी लगती है, संघर्षों में हर हार मुझे।।

मैं हूँ अपने मन का राजा, इस पार रहूँ, उस पार चलूँ,
मैं मस्त खिलाड़ी हूँ ऐसा, जी चाहे जीतूँ, हार चलूँ,
मेरी पतवारों पर साथी! लहरों की घात नहीं चलती —
मेरी तो आदत ही ऐसी — संघर्ष बीच हर बार चलूँ।

फिर कहाँ झुका पाएगा यह विप्लवमय पारावार मुझे,
इन लहरों के टकराने पर आता रह-रहकर प्यार मुझे।।

(i) राही नाविक से क्या आग्रह करता है और क्यों? 1

(ii) राही को भयभीत होकर बैठे रहना क्यों अच्छा नहीं लगता ? 1

(iii) राही ने अपने आपको मन का राजा क्यों कहा है ? 1

(iv) विप्लवों का सागर भी उसे पराजित क्यों नहीं कर पाया ? 1

(v) भाव स्पष्ट कीजिए - 'रंगीन विजय-सी लगती है, संघर्षों में हर हार मुझे।' 1

खण्ड - घ

9. पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2+2=8

(क) क्या सचमुच यह अनुभव एक मानसिक भूकम्प नहीं है, जो मनुष्य को झकझोर कर कहे कि किसी मनुष्य के पास संसार के ही नहीं, यदि स्वर्ग के भी सब उपहार और साधन हों, पर उसका देश गुलाम हो या किसी भी दूसरे रूप में हीन हो, तो वे सारे उपहार और साधन उसे गौरव नहीं दे सकते।

(i) किसका, कौन-सा अनुभव लेखक के मानसिक भूकम्प का कारण बना ?

(ii) संसार और स्वर्ग के सारे उपहार किसके लिए तुच्छ हैं और क्यों ?

(iii) विविध उपहार और साधन कैसे व्यक्ति के गौरव के कारण बनते हैं ?

(iv) उपर्युक्त पंक्तियों के द्वारा लेखक देशवासियों को क्या सन्देश देना चाहता है ?

अथवा

(ख) वह जो चमकीली, सुंदर, सुघड़ इमारत है, वह किस पर टिकी है? इसके कंगूरों को आप देखा करते हैं, क्या कभी आपने इसकी नींव को ओर भी ध्यान दिया है? दुनिया चकमक देखती है, ऊपर का आवरण देखती है, आवरण के नीचे जो ठोस सत्य है, उस पर कितने लोगों का ध्यान जाता है ? ठोस सत्य सदा 'शिवम्' होता ही है, किन्तु वह हमेशा ही 'सुन्दरम्' भी हो यह आवश्यक नहीं।

(i) इमारतों का आधार क्या होता है? उस पर दर्शकों का ध्यान क्यों नहीं जाता?

(ii) कंगूरों को ही देखना हमारी किस प्रवृत्ति का द्योतक है ?

(iii) सत्य का सदा सुंदर होना आवश्यक क्यों नहीं है?

(iv) उपर्युक्त गद्यांश का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए : 3+3 = 6

(क) 'पूस की रात' कहानी के आधार पर बताइए कि चरे हुए खेत की दशा देखकर मुन्नी और हल्कू पर जो प्रतिक्रिया हुई, वह भारत के अधिकांश किसानों की प्रतिक्रिया है।

(ख) 'डायरी के पृष्ठों से' पाठ के आधार पर स्कूल शिक्षक के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ का लेखक समाज को क्या संदेश देना चाहता है?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 3+3 = 6

(क) 'महामानव निराला' पाठ के आधार पर निराला जी के व्यक्तित्व के परोपकारी रूप को उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'खाने-खिलाने का राष्ट्रीय शौक' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक को पुजारी के साथ हमदर्दी क्यों जतानी पड़ी?

(ग) 'राजस्थान के एक गाँव की तीर्थयात्रा' का लेखक दिल्ली से निकलकर तिलौनिया ही क्यों गया?

12. (क) 'ठूँठा आम' को सामाजिक जीवन की विडंबना का ज्वलंत उदाहरण क्यों कहा गया है? 3

अथवा

'कृपालुओं की हमारे यहाँ कोई कमी नहीं है' - 'डायरी के पृष्ठों से' पाठ का यह कथन हमारे समाज की किन प्रवृत्तियों को उद्घाटित करता है?

(ख) सहना से अपना पिंड छुड़ाने के लिए हल्कू ने क्या किया? 'पूस की रात' कहानी के आधार पर उत्तर दीजिए। 2

13. निम्नलिखित में से किसी **एक** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2+2=8

बूझत स्याम कौन तू गोरी।
कहाँ रहति, काकी है बेटी, देखी नाहिं कबहूँ ब्रज खोरी।।
काहे कौं हम ब्रज-तन आवतिं, खेलति रहतिं आपनी पौरी।
सुनत रहतिं स्रवननि नंद-ढोटा करत फिरत माखन-दधि-चोरी।।
तुम्हरौ कहा चोरि हम लैहें, खेलन चलो संग मिलि जोरी।
सूरदास प्रभु रसिक-सिरोमनि, बातनि भुरइ राधिका भोरी।।

(i) कृष्ण ने राधा का परिचय किस प्रकार प्राप्त किया?

(ii) राधा ने ब्रज की ओर न आने का क्या कारण बताया?

(iii) कृष्ण ने राधा के आक्षेप का प्रतिवाद कैसे किया?

(iv) सूर ने कृष्ण को 'रसिक शिरोमणि' क्यों कहा है?

अथवा

सच हम नहीं सच तुम नहीं
सच है महज़ संघर्ष ही।
संघर्ष से हट कर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।
जो नत हुआ वह मृत हुआ, ज्यों वृन्त से झर कर कुसुम।
जो लक्ष्य भूल रुका नहीं।
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना, जीत उसकी ही रही।

(i) मृतक किसे माना गया है और क्यों?

(ii) कवि संसार में वास्तविक विजेता किसको मानता है?

(iii) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है?

(iv) 'प्रणय पाथेय' क्या है? वह लक्ष्य प्राप्ति में कैसे सहायक है?

14. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** के काव्य-सौन्दर्य सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+2+2+2=8

(क) कोटि मनोज लजावनि हारे।
सुमुखि कहहु को आहिं तुम्हारे।।
सुनि सनेहमय मंजुल बानी।
सकुचि सीय मन महुँ मुसुकानी।।
तिन्हहिं बिलोकि बिलोकति धरनी।
दुहुँ संकोच सकुचत बर बरनी।।
सकुचि सप्रेम बाल मृगनयनी।
बोली मधुर बचन पिकबयनी।।

(i) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों के भाव-सौन्दर्य की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ii) 'सकुचि सीय मन महुँ मुसुकानी' तथा 'बाल मृगनयनी' में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए।

(iii) काव्यांश की भाषा तथा छन्द की एक-एक विशेषता का उल्लेख कीजिए।

(iv) सीता के संकोच का कारण और उसकी प्रतिक्रिया पर टिप्पणी कीजिए।

अथवा

(ख) नहिं परागु, नहिं मुधर मधु, नहिं विकासु इहि काल ।
अली, कली ही सौं बँध्यौ, आगैं कौन हवाल ।।
कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात ।
कहिहै सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात ।।

(i) पहले दोहे की अन्योक्ति को स्पष्ट कीजिए।

(ii) दूसरे दोहे का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(iii) उपर्युक्त दोहों से अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण चुनकर लिखिए।

(iv) दोहों में प्रयुक्त भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

15. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 3

(क) 'बादल राग' कविता में कवि बादल से किन-किन को जलमय करने का आग्रह कर रहा है और क्यों?

(ख) 'बनता तभी प्रपात है' कविता के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

16. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर संक्षेप में दीजिए : 3

(क) 'मैं वहाँ हूँ' कविता में कवि ने अपनी उपस्थिति कहाँ-कहाँ जताई है?

(ख) 'मृत्तिका' के मातृस्वरूप को कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

17. सूरदास **अथवा** रामधारी सिंह 'दिनकर' का जीवन-परिचय देते हुए उनकी साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए और किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए। 3

18. 'मधु संचय' के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×3 = 6

(क) 'कोटर और कुटीर' पाठ के आधार पर बताइए कि चातक ने अपने पुत्र को किस व्रत की याद दिलाई और क्यों?

(ख) एन. सी. केलकर के नाम लिखे पत्र के आधार पर लोकमान्य तिलक के बारे में सुभाषचंद्र बोस के विचार स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'काश, मैं मोटर साइकिल होता' पाठ का लेखक होश आते ही स्वयं को कहाँ और किस हाल में पाता है?

(घ) 'ऋण-शोध' पाठ की लेखिका ने आशुतोष काका का प्रथम परिचय किस रूप में प्रस्तुत किया है?

19. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

(क) 'मुगलों ने सल्तनत बख्श दी' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि भारत में अंग्रेजों ने अपना राज्य विस्तार कैसे किया?

(ख) पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि 'समानांतर सरल रेखाएँ' किन्हें कहा गया है। ऐसा कहने के तीन कारणों का उल्लेख कीजिए।